



भारत का राजपत्र

The Gazette of India

असाधारण
EXTRAORDINARY

भाग I—भाग 1
PART I—Section 1

प्रीपकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 217]

नई दिल्ली, मंगलवार, नवम्बर 3, 1992/कार्तिक 12, 1914

No. 217] NEW DELHI, TUESDAY, NOVEMBER 3, 1992/KARTIKA 12, 1914

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या वी जाती है जिससे कि यह असर संकलन के रूप में
रखा जा सके

Separate Paging is given to this Part in order that it may be filed as a
separate compilation

वाणिज्य मंत्रालय

रार्बेजिनिक सूचना सं. 71 (पी एन)/92-97

नई दिल्ली, 3 नवम्बर, 1992

विषय :- मई, 1992-मार्च, 1947 के लिए प्रक्रिया पुस्तक

का.स. एच बी/5/24/92-97 :- निर्यात आयात नीति 1992-97 के पैरा ग्राफ 16 के अन्तर्गत प्रवत अधिकारों का प्रयोग करने हुए महानिवेशक
विवेण व्यापार एन्ड व्हारा प्रक्रिया पुस्तक 1992-97 में निम्नलिखित सशोधन करने हैं :-

क्रम सं.	पृष्ठ सं.	पर्यावरण	सशोधन
1	2	3	4
1	4	अध्ययन-4 निर्यात और आयात से संबंधित सामान्य उपचार	पैराग्राफ 6 के बाद निम्नलिखित नया पैराग्राफ जोड़ा जाएगा :- "आयात के देश 6क. जब तक लाइसेन्स में दृश्यता न दिया गया थी, लाइसेन्स विभिन्न अफीको, फिजी, ईराक और यूगोस्लाविया को छोड़कर विषय के किसी भी देश से आयात/निर्यात के लिए वैध होने" ।

			1	2	3	4	
2.	79	अध्याय-13 नियंत्रित संबंधित परियोग/भारतीय नियंत्रित संगठन महासंघ	पंग्राम 222 के बाद निम्नलिखित तरीके पैशांग जोड़ा जाएगा :— ‘222के यदि किसी पंजीकृत नियंत्रित प्रथवा किसी अन्य मामलों के बारे में प्राप्त कियी भी शिक्षायत की आवश्यकता नहीं हो आगे लिखित में रिकार्ड करने के लिए पार्टियां कार्य हों तो पंजीकरण प्राप्तिकारी नियंत्रित के पंजीकरण के प्रचालन को एक नियंत्रित प्रत्रिधि तक नियंत्रित रखा गकता है।’				
3.	83	अध्याय 15 नियंत्रित मामले	पंग्राम 235 के बाद निम्नलिखित तरीके पैशांग जोड़ा जाएगा :— ‘236. जहाँ कोई व्यक्ति किसी लाइसेंसिंग प्राप्तिकारी के नियंत्रण से मनुष्ट न हो, वहाँ वह इसके बाद उन्नियंत्रित प्राप्तियां के प्रत्युत्तर उत्तर नियंत्रण के लियाँक प्राप्ति कर गकता है। इन प्राप्तियां के धोति के बादहर मुक्त नियंत्रित प्राप्तियां नियंत्रित कार्यालय को दिया गया आवेदनों/प्रभावेदनों की समसील लोग में प्राप्तीकृत किया जा गकता है। 237. नियंत्रित प्रवाह के मामलों में अपील स्वीकार की जाएगी :— (क) आयात लाइसेंस के लिए प्राप्तेन्द्रिय के संबंध में ; (ख) नियंत्रित आमलों को पूरा करने के लिए आयातकों द्वारा निष्पादित किए गए विधिक कार्यांगों/वैकं गांगटियों के प्रबर्धन पर किसी आयात लाइसेंस पर लागू होने वाली किसी अन्य शर्त से व्यवधित मामलों में , और (ग) इसके बाद दी गई प्रतिक्रियाएं आवेदनक परियोगों के गाथ में से मामलों पर भी लागू होंगी जिनमें अपने आवेदन-पत्र पर की गई दूर्जार्थ से पीड़ित होकर कोई नियंत्रित अपील करना चाहूँ।				
		अपील	(1) जहाँ मूल नियंत्रण महायक मूल्य नियंत्रक आयात-नियंत्रित या उप मूल्य नियंत्रक आयात-नियंत्रित द्वारा किया गया हो वहाँ अपील उत्तर लाइसेंसिंग कार्यालय पर प्रशासनिक नियंत्रक रखने वाले मयूक्त मूल्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित के पास की जाएगी। (2) जहाँ मूल नियंत्रण मयूक्त मूल्य नियंत्रक आयात-नियंत्रित द्वारा किया गया हो, वहाँ यह अपील दो मयूक्त मूल्य नियंत्रक आयात-नियंत्रित की समिति या उसके मुख्यालय में 'भारतीनियंत्रक विदेश व्यापार द्वारा इस प्रयोगत हेतु नियुक्त किए गए उच्चतर श्रेणी के अधिकारियों के पास की जाएगी।				
		द्वितीय अपील	238. यदि अपीलकर्ता आपील पर अपीलिय प्राप्तिकारी के नियंत्रण से मनुष्ट नहीं है, वह महानियंत्रक विदेश व्यापार द्वारा अपने मुख्यालय कार्यालय के लिए नियुक्त अपर मूल्य नियंत्रक, आयात-नियंत्रित प्रयोग इसके समकक्ष अधिकारी को दूसरी अपील दे सकता है। (2) नियंत्रित सबर्धन जोतों, नियुक्त व्यापार जोतों और 100% नियंत्रित अभियुक्त जोतों में स्थित सूचियों के नियंत्रण में द्वितीय अपील विधियां मध्यान्तर, भारत सरकार उद्योग भवन, नई दिल्ली की नियंत्रित सबर्धन जोत/नियुक्त व्यापार जोत और 100% नियंत्रित अभियुक्त जोत प्रयोग के अपर मूल्य को की जाएगी।				
		धाराएँ करने की समय-सीमा	(2) नियंत्रित प्राप्तिकारी के पास अपील को किसी अपील किए गए आवेदन/नियंत्रण के लियाँक 15 दिनों के भीतर दायर किया जावा जाहिर। नवापि, अपीलिय प्राप्तिकारी 45 दिन की अवधि तक अपील करने के लियाँक को माफ कर सकता है यदि वह इस वाले में मनुष्ट है यदि उक्त अपील पर्याप्त कारणों की वजह से नियंत्रित अवधि में दायर नहीं की जा सकती है।				
		प्रत्यक्षित अपील	(2) नियंत्रित प्राप्तिकारी का समय लाइसेंसिंग प्राप्तिकारी अपीलिय प्राप्तिकारी उप प्राप्तिकारी का भवेत देगा जिसके पास प्रभावित अधिकारियों/ग्रुपों, के लिए जाहिर है। अप्रक्षित मूल्यार्थ के लिए अवधि				
		240. यदि कोई अपीलकर्ता अपील आवेदन के सबध में मूल्यार्थ जाहिर है तिसके लिए उसके एक विवरण द्वायर किया हो अपवाह अपील में इसके लिए विविष्ट उल्लेख किया है, उसे अधिकारिय ग्रुपों के लिए एक अधिकार दिया जाएगा। नवापि, यदि आपातीय आचिपकर्ता उसे दिए गए अवधार का लाभ नहीं उठाता है तो रिकार्ड के आधार पर उपलब्ध सामग्री के गुण-दृष्टि आधार पर अपील पर नियंत्रण लिया जाएगा।					

अपील के बाय यागाएँ आने वाले दस्तावेज़

241 अपील के बाय दो प्रकारों में निम्नलिखित दस्तावेज़ और दोनों दोनों आगे :-

(1) अपीलकर्ता का नाम और पता,

(2) आयातक/निर्यातक की धैर्या

(3) वह लाइसेंसिंग अवधि जिससे आवेदन मंदिर रख्या है

(4) आयात किए जाने वाले माल का गोदान विवरण

(5) मूल आवेदन और इसके साथ प्रस्तुत किए गए अन्य दस्तावेजों की प्रति,

(6) उग्नि/प्रदायन की प्रति जिसके द्वारा अपील की गई है,

(7) अपील का आधार

(8) भव्य और कोई दस्तावेज़/गोदान जिस पर अपीलकर्ता निर्भर करता हो, आगे

(9) गह बनाएँ कि क्या अपीलकर्ता अवितरण स्थ से सुनवाई चाहता है ।

(10) प्रथम और द्वितीय अपील के भागों में भूत्क भगतान कमातः रु. 100/- और रु. 200/- की दोनों रसायन/डिमांड ड्राइव भी साथ गैंगताया जाए ।

(11) सभी अपीलों के दोनों पर इन आवास वा स्पष्ट रूप से उल्लेख किया जाए कि क्या यह प्रथम अपील ही अप्रवाह अपील है और संविधित प्रार्थी की धैर्यी वर्ण है ।

इसे मार्वर्जनिक हिंसा में जागी किया जाता है ।

श्री. आर. मेहता, महानिदेशक विभाग आपार

MINISTRY OF COMMERCE

PUBLIC NOTICE NO. 71—(PN) 92-97

New Delhi, the 3rd November, 1992

Subject.—Handbook of Procedure for May 1992-March 1997

F. No. HB/5/24/92-97.—In exercise of the powers conferred under Paragraph 16 of the Export and Import Policy 1992-97, the Director General of Foreign Trade hereby makes the following amendments in the Handbook of Procedures 1992-97:—

Sl. No.	Page No.	Reference	Amendments
1	2	3	4
1.	4	CHAPTER IV GENERAL PROVISION REGARDING EXPORTS AND “Countries of import EXPORTS	After paragraph 6 the following new paragraph shall be added.
2.	79	CHAPTER XIII EXPORT PROMOTION COUNCILS/FIEO	After paragraph 222 the following new paragraph shall be added. 222A. Pending enquiries into any complaint received against a registered exporter or any other good and sufficient reason to be recorded in writing, the Registering Authority may keep the operation of the registration of an exporter under suspension for a specified period.”

1

2

3

4

3.	83	CHAPTER XV MISCELLANEOUS MATTERS	After paragraph 235 the following new paragraphs shall be added.
----	----	--	--

“236.—Where a person is not satisfied with the decision of a licensing authority, he may prefer an appeal against the said decision in accordance with the provisions hereinafter stated. Requests/representations made to the office of the Chief Controller of Imports and Export outside the scope of these provisions are liable to be summarily rejected.

237. Appeals will be entertained in the following types of cases:—

- (a) in respect of an application for import licence;
- (b) in cases relating to enforcement of legal agreements/ bank guarantees executed by importers for the fulfilment of export obligations or any other conditions applicable to an import licence; and
- (c) the procedures hereinafter contained will also apply mutatis mutandis to cases in which an exporter being aggrieved with a decision taken on his application seeks to prefer an appeal.

Appeal :

- (i) where the original decision has been taken by the Asstt. CCI&E or Dy. CCI&E the appeal will lie with the Jt. CCI&E exercising administrative control over the said licensing office;
- (ii) Where the original decision has been taken by the Jt. CCI&E , the appeal will lie with the Committee of two Jt. CCI&E or Officers of higher rank appointed for the purpose by the DDFT in his Headquarters Office.

Second Appeal

238. If the appellant is not satisfied with the decision of the Appellate Authority on his first appeal, he may prefer a second appeal to the Additional CCI&E or an officer of equivalent rank appointed for the purpose by the DDFT in his Headquarters Office.

(2) In respect of units situated in EPZs, FTZs and 100% EOU's the second appeal shall be with Addl. Secretary in charge of the EPZ/FTZ and 100% EOU Division in the Ministry of Commerce, Government of India, Udyog Bhavan, New Delhi. Time limit for filing

239. An appeal should be filed with the authority concerned within 45 days from the date of receipt of the order/decision appealed against. However the appellate authority may condone delay not exceeding 45 days in submission of the appeal it is satisfied that the same could not be filed within the stipulated period for adequate reasons.

1 2

3

4

(2) While communicating the decision the licensing authority/appellate authority shall indicate the authority to whom appeal/review may be preferred by the aggrieved person.

Opportunity for Personal Hearing

240. If an appellant or a petitioner desires to be heard in connection with the appeal application, filed by him, and he has filed a statement or has made specific mentions as such, in his appeal, an opportunity for personal hearing may be afforded to him. However, if the appellate petitioner does not avail of the opportunity given to him, the appeal shall be decided on merits on the basis of the material available on record.

Documents to accompany Appeal

241. The following documents and particulars should be submitted with the appeal in duplicate:—

- (i) Name and address of the appellant;
- (ii) Category of importer/exporter;
- (iii) Licensing period to which application pertained;
- (iv) Brief description of goods to be imported;
- (v) Copy of the original application and other documents furnished with it;
- (vi) A copy of the decision/order appealed against;
- (vii) Grounds of appeal;
- (viii) Any other documents/evidence on which appellant relies; and
- (ix) Statement whether the appellant desires to be heard in person

(2) In the case of first appeal and second appeal, a bank receipt/demand draft of Rs. 100/- and Rs. 200/- respectively towards payment of fees, should also be furnished.

(3) All appeals should clearly indicate at the top whether it is first appeal or second appeal and the category of the applicant concerned;

This issues in public interest.

D.R. MEHTA, Dir. Gen. of Foreign Trade

